CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 04 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए

- इस प्रश्नपत्र में 2 खंड हैं खंड अ और खंड ब।
- खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड ब में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित है। कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्ति की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपने पेशे या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है, भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्राय आती है, क्योंकि उद्योग धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बद्लने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो तो इसके लिए भूखे मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत है। इस प्रकार पेशा-परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

I. कुशल श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए क्या आवश्यक है?
   i. व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं कर सके।

ii. व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं न कर सके।

iii. व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे उसके पेशे का चुनाव दूसरे न कर सके।

iv. व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे उसके पेशे का चुनाव दूसरे कर सके।

II. जाति-प्रथा के सिद्धांत का दूषित विचार क्या है ?

i. उसके पेशे का उसके द्वारा निर्धारण करना

ii. उसके पेशे का उसके जन्म से पूर्व निर्धारण करना

iii. उसके पेशे को निश्चित करना

iv. उसके पेशे को अपर्याप्त करना

III. हिन्दू धर्म की जाति-प्रथा किसी भी व्यक्ति को कौनसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है ?

i. जो उसका पैतृक पेशा न हो

ii. जो उसका पैतृक पेशा हो

iii. जिसमें वह पारंगत न हो

iv. जिसमें वह पारंगत हो

IV. कौनसा विभाजन मनुष्य की रूचि पर आधारित है?

i. जाति प्रथा

ii. जाति विभाजन

iii. श्रम विभाजन

iv. उपरोक्त में से कोई नहीं

V. प्रतिकूल परिस्थिति में व्यक्ति पेशा बदलने की स्वतंत्रता न मिलने पर क्या हो सकता है?

i. उसके भूखे मरने की नौबत आ सकती है

ii. उसके पेशा बदलने की नौबत आ सकती है

iii. उसके जाति बदलने की नौबत आ सकती है

iv. उसके श्रम करने की नौबत आ सकती है

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

अपने कार्य को आप ही करना स्वावलंबन कहलाता है। बालक जब से होश सँभालता है, अपने निजी कार्य स्वयं करने लगता है। इसी प्रकार यदि मनुष्य जीवन की किसी भी स्थिति में अपना कार्य स्वयं करे, तो वह स्वावलंबी कहलाता है। स्वावलंबी होना नागरिकता का महान गुण है। स्वावलंबन बड़प्पन का गुण है। कहते हैं कि एक दिन प्रसिद्ध विद्वान ईश्वरचंद विद्यासागर रेलवे स्टेशन के बाहर खड़े थे। तभी भीतर से एक व्यक्ति हाथ में एक छोटा बक्सा लिए उनके पास आया। उन्हें साधारण वेष में देखकर भूल से कुली समझ बैठा और बोला, "मेरा सामान ले चलोगे?" ईश्वरचंद्र बिना कुछ बोले उसका सामान उठाकर चल दिए। लक्ष्य पर पहुँचकर जब वह उन्हें मजदूरी देने लगा तो वे बोले, "मजदूरी नहीं चाहिए। तुम अपना काम स्वयं नहीं कर सकते, इसलिए मैंने तुम्हारी सहायता कर दी है।" व्यक्ति लज्जित हुआ। जब उसे यह पता चला कि उनका कुली बंगाल का

प्रसिद्ध विद्वान है तो वह उनके पाँव में गिर पड़ा। उसने अपना कार्य आप करने की सौंगध ली।

I. स्वावलंबन निम्नलिखित में से क्या है?
   i. दूसरों पर अवलंबित रहना
   ii. दूसरों को अपने पर अवलंबित रखना
   iii. दूसरों की सहायता से अपना काम करना
   iv. अपने कार्य को अपने-आप करना

II. स्वावलंबन को बड़प्पन का गुण कहा गया है, क्यों?
   i. इससे व्यक्ति की दूसरे पर आश्रितता बढ़ जाती है
   ii. इससे व्यक्ति में स्वाभिमान का उदय होता है
   iii. इससे व्यक्ति का सम्मान बढ़ जाता है
   iv. इससे व्यक्ति में घमंड के भाव का उदय होता है

III. रेलवे स्टेशन के बाहर ईश्वरचंद विद्यासागर किस वेशभूषा में खड़े थे?
   i. सभ्य एवं शिक्षित व्यक्ति की वेशभूषा में
   ii. कुली के वेश में
   iii. अत्यंत साधारण से दिखने वाले व्यक्ति की वेशभूषा में
   iv. स्वागतकर्ता की वेशभूषा में

IV. ईश्वरचंद विद्यासागर के सम्मुख व्यक्ति बहुत लज्जित हुआ, क्यों?
   i. उसने अपना काम स्वयं नहीं किया था
   ii. उसने विद्यासागर को कुली समझने की भूल कर दी थी
   iii. उसकी मदद करने वाले ने पैसे नहीं लिए थे
   iv. उसे पता चला कि यह व्यक्ति तो अत्यंत विद्वान है

V. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक निम्नलिखित में से क्या है?
   i. अवलंबन-एक महान गुण
   ii. स्वावलंबन-एक महान गुण
   iii. बड़प्पन-एक महान गुण
   iv. नागरिकता-एक महान गुण

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

अकाल के बीच भी अच्छे काम और अच्छे विचार का एक सुंदर छोटा सा उदाहरण राजस्थान के अलवर क्षेत्र का है जहाँ तरुण भारत संघ पिछले बीस बरस से काम कर रहा है। वहाँ पहले अच्छा विचार आया तालाबों का, हर नदी, नाले को छोटे-छोटे बाँधों से बाँधने का। इस तरह वहाँ आसपास के कुछ और जिलों के कोई 600 गाँवों ने बरसों तक वर्षा की एकएक बूंद को सहेज लेने का काम चुपचाप किया। इन तालाबों, बाँधों ने वहाँ सूखी पड़ी पाँच नदियों को 'सदानीरा' का नाम वापस दिलाया।

अच्छे विचारों से अच्छा काम हुआ और फिर आई चुनौती भरे अकाल की पहली सूचना। नदियों में, तालाबों में, कुओं में वहाँ

तब भी पानी लबालब भरा था। फिर भी इस क्षेत्र के लोगों ने, किसानों ने आज से सात-आठ माह पहले यह निर्णय किया कि पानी कम गिरा है इसलिए ऐसी फ़सलें नहीं बोनी चाहिए जिनकी प्यास ज़्यादा होती है। तो कम पानी लेने वाली फ़सलें लगाई गईं। इसमें उन्हें कुछ आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा पर आज यह क्षेत्र अकाल के बीच में एक बड़े हरे द्वीप की तरह खड़ा है। यहाँ सरकार को न तो टैंकरों से पानी ढोना पड़ रहा है न अकाल राहत का पैसा बाँटना पड़ा है। गाँव के लोग, किसी के आगे हाथ नहीं पसार रहे हैं।

उनका माथा ऊँचा है। पानी के उम्दा काम ने उनके स्वाभिमान की भी रक्षा की है। अलवर में नदियाँ एक दूसरे से जोड़ी नहीं गई हैं। यहाँ के लोग अपनी नदियों से, अपने तालाबों से जुड़े हैं। यहाँ पैसा नहीं बहाया गया है, पसीना बहाया है, लोगों ने और उनके अच्छे काम और अच्छे विचारों ने अकाल को एक दर्शक की तरह पाल के किनारे खड़ा कर दिया है।

I. तरुण भारत संघ कहाँ काम कर रहा है?
   i. अलवर में
   ii. राजस्थान में
   iii. बीकानेर में
   iv. जोधपुर में

II. लोगों के परिश्रम के कारण अकाल क्या बनकर रह गया है?
   i. करुणावतार
   ii. मूक दर्शक
   iii. सवाक दर्शक
   iv. मुक्त दर्शक

III. अकाल से मुक्ति पाने के लिए किसानों ने कैसी फसल बोने का निर्णय लिया?
   i. जिनमें अधिक पानी लगता हो
   ii. जिनमें पानी नहीं लगता हो
   iii. जिनमें कम पानी लगता हो
   iv. जिनमें सर्वाधिक पानी लगता हो

IV. राजस्थान के किसानों ने अकाल का किस तरह मुकाबला किया?
   i. पानी की एक - एक बूँद को सहेजकर
   ii. पानी को बहाकर
   iii. पानी को नदियों में से निकालकर
   iv. पानी को छोड़कर

V. कैसे विचार लोगों का स्वाभिमान बनाए रखने में सहायक होते हैं?
   i. बुरे विचार
   ii. सघन विचार
   iii. अच्छे विचार

iv. सदा विचार

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

दुनिया में जब तक अलग-अलग धर्म मौजूद हैं, तब तक प्रत्येक धर्म को किसी विशेष बाह्य-चिह्न की आवश्यकता हो सकती है। लेकिन जब बाह्य-चिह्न केवल आडंबर बन जाते हैं अथवा अपने धर्म को दूसरे धर्मों से अलग बताने के काम आते हैं, तब वे त्याज्य हो जाते हैं। धर्मों के भ्रातृमंडल का उद्देश्य यह होना चाहिए कि वह एक हिंदू को अधिक अच्छा हिंदू, एक मुसलमान को अधिक अच्छा मुसलमान और एक ईसाई को अधिक अच्छा ईसाई बनाने में मदद करे। दूसरों के लिए हमारी प्रार्थना यह नहीं होनी चाहिए- ईश्वर, तू उन्हें वही प्रकाश दे, जो तूने मुझे दिया है, बल्कि यह होनी चाहिए-तू उन्हें वह सारा प्रकाश दे, जिनकी उन्हें अपने सर्वोच्च विकास के लिए आवश्यकता है।

मैं यह ज़रूर अनुभव करता हूँ कि जब मेरे चारों ओर हर चीज हमेशा बदलती रहती है, नष्ट हो रही है, तब इन सारे परिवर्तनों के पीछे कोई चेतन शक्ति ऐसी ज़रूर है, जो बदलती नहीं है, जो सबको धारण किए हुए है, जो सृजन करती है, संहार करती है और फिर नया सृजन करती है। यह जीवनदायी शक्ति या सत्ता ईश्वर है। विविध धर्म एक ही जगह पहुँचाने वाले अलग-अलग रास्ते हैं। एक ही जगह पहुँचने के लिए हम अलग-अलग रास्तों से चलें, तो इसमें दुख का कोई कारण नहीं है। सच पूछो तो जितने मनुष्य हैं, उतने धर्म भी हैं। हमें सभी धर्मों के प्रति समभाव रखना चाहिए। इसमें अपने धर्म के प्रति उदासीनता आती हो, ऐसी बात नहीं, बल्कि अपने धर्म पर जो प्रेम है, उसकी अंधता मिटती है। इस तरह वह प्रेम ज्ञानमय और ज्यादा सात्विक तथा निर्मल बनता है।

मैं इस विश्वास से सहमत नहीं हूँ कि पृथ्वी पर एक धर्म हो सकता है या होगा। इसलिए में विविध धर्मों में पाए जाने वाले तत्व खोजने की और इस बात को पैदा करने की कि विविध धर्मावलंबी एक-दूसरे के प्रति सहिष्णुता का भाव रखें, कोशिश कर रहा हूँ।

I. धर्म के बाह्य-चिह्नों की आवश्यकता कब तक रहती है?
   i. अपने धर्म को दूसरे धर्म से अलग बताने के लिए
   ii. जब तक अलग-अलग धर्म मौजूद हैं
   iii. जब अलग-अलग दृष्टिकोण हों
   iv. एक धर्म में सबकी आस्था हो

II. हमें सभी धर्मों के प्रति कैसा दृष्टिकोण रखना चाहिए?
   i. सभी धर्मों का आदर करना चाहिए
   ii. सभी धर्मों को अपने-अपने रास्ते चलना चाहिए
   iii. सभी धर्मों के प्रति समभाव रखना चाहिए
   iv. दूसरे धर्मों के प्रति उदासीन रहना चाहिए

III. जीवनदायी शक्ति या सत्ता क्या है ?
   i. ईश्वर
   ii. धर्म के विविध सिद्धांत

iii. रहस्यमयी शक्ति

iv. विविध धर्म

IV. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक चुनिए।

i. धर्म का सिद्धांत

ii. मनुष्य और धर्म

iii. धर्म और ईश्वर

iv. सत्य और ईश्वर

V. 'सहिष्णुता' का अर्थ है :

i. क्षमता

ii. सहनशीलता

iii. योग्यता

iv. सामर्थ्य

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. 'मैं **कल चार बजे** पहुँच जाऊँगा।' में कौन सा पदबंध है।

a. क्रिया पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

ii. किस वाक्य में रेखांकित पदबंध क्रिया पदबंध है ?

a. **चोट खाए हुए लोगों** से सावधान रहो।

b. **मेरी छोटी बहन** स्कूल गई है।

c. **कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी** तक भारत एक है।

d. बच्चे **खेल रहे हैं** ।

iii. 'मीरा **हिंदी की अध्यापिका** है। ' में कौन सा पदबंध है?

a. विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. क्रिया पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iv. किस वाक्य में रेखांकित शब्द क्रियाविशेषण पदबंध नहीं है ?

a. आप **कल शाम को चार बजे** मुझसे मिलिए।

b. मेरा घर **पहाडी के पीछे** है।

c. बच्चा **खाना खाकर स्कूल** गया।

d. **पुरानी जर्जर हवेली** का मालिक कौन है?

v. संज्ञा पदबंध में से 'संज्ञा पद' को हटा दें तो कौन सा पद शेष रह जाता है ?

a. संज्ञा पद

b. क्रिया पद

c. विशेषण पद

d. क्रिया विशेषण पद

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. गाड़ी रुकते ही कुली अंदर घुस गए। (संयुक्त वाक्य)

a. क्योंकि गाड़ी रुकी इसलिए कुली अंदर घुस गए।

b. जब गाड़ी रुकी तब कुली अंदर घुस गए।

c. गाड़ी रुकी और कुली अंदर घुस गए।

d. पहले गाड़ी रुकी फिर कुली अंदर घुस गए।

ii. इन वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. अगर तुम बैठे हो तो उसकी प्रतीक्षा कर लो।

b. तुम यहाँ बैठ जाओ और उसकी प्रतीक्षा करो।

c. तू यहाँ बैठ कर उसकी प्रतीक्षा करो।

d. जब तुम यहाँ बैठो. तो उसकी प्रतीक्षा कर लेना।

iii. निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य की पहचान कीजिए-

a. राम और श्याम चले गए।

b. राम आया इसलिए श्याम चला गया।

c. राम गया और श्याम चला गया।

d. राम चला गया और श्याम चला गया।

iv. वह मतलबी हो गया है कि सबको धोखा देता है। (संयुक्त वाक्य)

a. वह सबको धोखा देता है इसलिए वह मतलबी है।

b. उसने मतलबी होकर सबको धोखा दिया।

c. मतलबी होने के कारण वह सबको धोखा देता है।

d. वह मतलबी हो गया है इसलिए सबको धोखा देता है।

v. मेरी बात मानकर तुम्हें खुशी मिलेगी। (मिश्रित वाक्य)

a. तुम खुश होगी कि तुमने मेरी बात मानी।

b. तुम्हें ख़ुशी मिलेगी कि तुमने मेरी बात मानी।

c. मेरी बात मानो और खुश रहो।

d. जब तुम मेरी बात मानोगी, तब तुम्हें खुशी मिलेगी।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. जिस पद में पूर्व पद विशेषण और उत्तर पद विशेष्य होता है।

a. कर्मधारित समास
b. कर्मधारण समास
c. कर्मधारय समास
d. कर्मधरय समास

ii. पंजाब
a. पाँच नदियों वाला - कर्मधारय समास
b. पाँच नदियाँ - द्विगु समास
c. पाँच नदियाँ होंगी जहाँ - द्विगु समास
d. पाँच आबों (नदियों) का समूह - द्विगु समास

iii. समास कहते हैं-
a. केवल दो पदों के मेल से नए शब्द बनाने की प्रक्रिया
b. दो-या-दो से अधिक पदों को अलग करना
c. वर्णों के निकटतम मेल को
d. दो-या-दो से अधिक पदों के मेल से नए पद बनाने की प्रक्रिया

iv. कारकीय चिह्नों के आधार पर तत्पुरुष समास के _____ भेद होते हैं।
a. तीन
b. आठ
c. चार
d. छह

v. नरेश की गाड़ी चौराहे से गुजरी। रेखांकित शब्द के लिए उचित विकल्प चुनिए-
a. चार राहों का समूह - द्विगु समास
b. चार राहें - द्विगु समास
c. चार हैं जो राहें - द्विगु समास
d. चार राहों के लिए - द्विगु समास

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. घबरा जाना
a. हाथ-मुँह फूल जाना
b. हाथों में घबराहट होना
c. शरीर में कोई बीमारी होना
d. हाथ-पाँव फूल जाना

ii. आँखों में धूल झोंकना
a. धोखा देना
b. आँख में मिट्टी डालना

c. आँख पर चोट मारना

d. आँख में मिर्च डालना

iii. असलियत सामने लाना

a. रंग दिखाना

b. रंग चढ़ना

c. सच्चाई बताना

d. रूप दिखाना

iv. झगड़ा होना

a. तू और मैं होना

b. तू या मैं होना

c. तू-तू, मैं-मैं होना

d. तू-मैं, तू-मैं होना

v. वास्तविकता का अहसास होना

a. आसमान से छत पर आना

b. आसमान से गिरना

c. आसमान से जमीन पर आना

d. आकाश से आसमान तक आना

7. **निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो परन्तु यों मरो कि याद जो करे सभी।
हुई न यों सु–मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिये,
मरा नहीं वहीं कि जो जिया न आपके लिए।
यही पशु–प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

I. मनुष्य की मृत्यु कैसी होनी चाहिए?

i. वीरों के भांति

ii. दुनिया उसे मरने के भी याद करे

iii. देवता की भाँति

iv. निडर होकर

II. सु-मृत्यु नहीं होने से क्या तात्पर्य है?

i. जीवन का बेकार होना

ii. अमर हो जाना

iii. अनाथ हो जाना

iv. किसी को मार कर मरना

III. पशु-प्रवृति क्या है?

i. सब का भला करना

ii. देवता नहीं बनना

iii. मनुष्य के विषय में सोचना

iv. केवल अपने विषय में सोचना

IV. कौन मनुष्य मरा हुआ नहीं है?

i. जो मनुष्य नहीं है

ii. जो पशु प्रवृति का है

iii. जो दूसरे के लिए जीता हो

iv. जो अपने लिए जीता हो

8. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था। किंतु वही तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ यह संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। किंतु यह असंभव जान पड़ा। तताँरा बार-बार उसकी आँखों के सामने था। निर्निमेष याचक की तरह प्रतीक्षा में डूबा हुआ।

I. तताँरा की कौन सी छवि वामीरो को दिख रही थी?

i. प्रतीक्षारत निर्मिमेष याचक

ii. साहसी युवक

iii. सम्मोहित करने वाली

iv. युद्धरत वीर

II. वामीरो ने तताँरा को भूलना क्यों उचित समझा?

i. क्योंकि वह कायर था

ii. क्योंकि उसकी कहानियाँ झूठी थीं

iii. क्योंकि उनका संबंध नही हो सकता था

iv. क्योंकि तताँरा विवाहित था

III. तताँरा और वामीरो के विवाह संबंध में क्या रुकावट थी?

i. एक जाति का न होना

ii. तताँरा का वीर होना

iii. दोनों को एकदूसरे से प्रेम हो जाना

iv. एक गाँव का न होना

IV. वामीरो घर पहुंच कर कैसी हो गई?

i. बेचैन

ii. प्रसन्न

iii. याचक

iv. मौन

V. वामीरो ने अपनी कल्पना में तताँरा की कौन सी छवि बनाई थी?

i. एक साहसी युवक

ii. सुंदर और बलिष्ठ

iii. शांत और सभ्य

iv. एक विचलित प्राणी

9. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

लेफ्टीनेंट - वज़ीर अली की आज़ादी बहुत खतरनाक है। हमें किसी न किसी तरह इस शख्स को गिरफ़्तार कर ही लेना चाहिए।

कर्नल - पूरी एक फ़ौज लिए उसका पीछा कर रहा हूँ और बरसों से वो हमारी आँखों में धूल झोंक रहा है और इन्हीं जंगलों में फिर रहा है और हाथ नहीं आता । उसके साथ चंद जाँबाज़ हैं। मुट्ठी भर आदमी मगर ये दमखम है।

लेफ्टीनेंट - सुना है वज़ीर अली जाती तौर से भी बहुत बहादुर आदमी है।

कर्नल - बहादुर न होता तो यूँ कंपनी के वकील को कत्ल कर देता?

लेफ्टीनेंट - ये कत्ल का क्या किस्सा हुआ था कर्नल?

कर्नल - किस्सा क्या हुआ था उसको उसके पद से हटाने के बाद हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वजीफ़ा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब किया। वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यूँ तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की उलटा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेज़ों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूटकर भरी है उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

I. वजीर अली ने किस का कत्ल किया था?

i. वकील का

ii. सिपाही का

iii. कर्नल का

iv. एक आम आदमी का

II. कर्नल का वजीर अली को बहादुर कहना क्या दर्शाता है?

i. वजीर अली की बहादुरी

ii. अंग्रेजों की नाकामी

iii. देश भक्ति

iv. कुछ नहीं

III. वजीर अली पर कितना वजीफा मुकर्रर किया गया?

i. तीस हजार रुपये महीना

ii. तीस लाख रुपए सालाना

iii. तीन लाख रुपये सालाना

iv. तीस हजार रुपये सालाना

IV. वजीर अली को उसके पद से हटाने के बाद कहां पहुंचा दिया गया?

i. लखनऊ

ii. अफगानिस्तान

iii. बंगाल

iv. बनारस

V. कर्नल पूरी एक फौज लेकर किसका पीछा कर रहे थे?

i. लॉर्ड क्लाइव

ii. वजीर अली

iii. टीपू सुल्तान

iv. नवाब बंगाल

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. 'बड़े भाई साहब' कहानी में लेखक द्वारा किस प्रकार की शालीनता प्रदर्शित की गई है?

ii. तताँरा-वामीरो की कथा के आधार पर बताइए कि तताँरा की तलवार लोगों की चर्चा का विषय क्यों थी?

iii. **अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले** पाठ में शेख अयाज़ के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर क्यों उठ खड़े हुए?

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:

कवि ने दधीचि, कर्ण आदि महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर **मनुष्यता** के लिए क्या संदेश दिया है?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. लेखक को किसके सहारे अपनी पढ़ाई जारी रखनी पड़ी? आप गरीब बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए विद्यालयों को क्या सुझाव देना चाहेंगे? सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर लिखिए।

ii. "सबके मन में यह बात है कि हरिहर काका कोई अमृत पीकर तो आए हैं नहीं। एक न एक दिन उन्हे मरना ही है।" इससे गाँव वालो की किस मनोवृत्ति का पता चलता है?

iii. 'टोपी शुक्ला' पाठ के माध्यम से लेखक ने मानवीय संबंधों की कौन-सी सच्चाई उजागर की है?

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **ग्लोबल वार्मिंग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- ग्लोबल वार्मिंग क्या है तथा कैसे होती है?
- दुष्परिणाम

- बचाव तथा उपसंहार

ii. **समय का सदुपयोग** विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

iii. **साँच को आँच नहीं** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- सत्य बोलने का महत्त्व
- सत्य बोलने वालों के उदाहरण
- सत्य न बोलने का परिणाम

14. नगरों में कल-कारखानों से प्रदूषण में हो रही वृद्धि को रोकने हेतु किसी दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

OR

खेल का सामान बेचने वाली कंपनी 'स्पोर्ट्स इंटरनेशनल' से आपने जो सामान मँगवाया था, वह घटिया स्तर का और महँगा भेजा गया। कंपनी के प्रबंध निदेशक को इसकी शिकायत करते हुए पत्र लिखिए।

15. आपके विद्यालय में मोबाइल लाना निषिद्ध किया गया है। प्रधानाचार्य की ओर से इससे संबंधित सूचना 40-50 शब्दों में लिखिए।

OR

कोलकाता के मैजेस्टिक क्लब द्वारा एक मेगा चैरिटी शो उन लोगों के लिए भवन निर्माण हेतु रखा गया है, जो गलियों में रहते हैं। इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों के लिए सचिव की तरफ से 20-25 शब्दों में सूचना लिखिए।

16. ज्वैलरी शॉप के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

OR

शैंपू बनाने वाली कंपनी के मालिक ने विज्ञापन बनाने को दिया है। आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

17. **मैं हूँ गौरैया** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

सोशल साइट्स की कहानी विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 04 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना कि वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं कर सके।
   II. (ii) उसके पेशे का उसके जन्म से पूर्व निर्धारण करना
   III. (ii) जो उसका पैतृक पेशा न हो
   IV. (iii) श्रम विभाजन
   V. (i) उसके भूखे मरने की नौबत आ सकती है

OR

   I. (iv) अपने कार्य को अपने-आप करना
   II. (ii) इससे व्यक्ति में स्वाभिमान के गुण का उदय होता है
   III. (iii) अत्यंत साधारण से दिखने वाले व्यक्ति की वेशभूषा में
   IV. (i) उसने अपना काम स्वयं नहीं किया था
   V. (ii) स्वावलंबन-एक महान गुण।
2. I. (i) अलवर में
   II. (ii) मूक दर्शक
   III. (iii) जिनमें कम पानी लगता हो
   IV. (i) पानी की एक - एक बूँद को सहेजकर
   V. (iii) अच्छे विचार

OR

   I. (ii) जब तक अलग-अलग धर्म मौजूद हैं
   II. (iii) सभी धर्मों के प्रति समभाव रखना चाहिए
   III. (i) ईश्वर
   IV. (iv) सत्य और ईश्वर
   V. (ii) सहनशीलता
3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (d) क्रिया विशेषण पदबंध

   Explanation: वह पदबंध जो क्रियाविशेषण पद के स्थान पर प्रयुक्त होकर वही कार्य करता है जो अकेला एक

क्रियाविशेषण पद कर रहा था, तब उसे क्रिया विशेषण पदबंध कहते हैं।

ii. (d) बच्चे **खेल रहे हैं** ।

Explanation: बच्चे **खेल रहे हैं** । वाक्य में प्रयुक्त पदबंध, क्रिया पदबंध है।

iii. (b) संज्ञा पदबंध

Explanation: संज्ञा पद में यदि विशेषण पद जोड़ दिया जाता है तो संज्ञा पदबंध बन जाता है।

iv. (d) **पुरानी जर्जर हवेली** का मालिक कौन है?

Explanation: प्रस्तुत वाक्य में क्रियाविशेषण पदबंध नहीं है क्योंकि इसमें संज्ञा पद के साथ विशेषण पद आया है।

v. (c) विशेषण पद

Explanation: संज्ञा पदबंध में से संज्ञा पद हटाने पर विशेषण पद रह जाता है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) गाड़ी रुकी और कुली अंदर घुस गए।

Explanation: यह विकल्प सही है और समुच्चयबोधक का प्रयोग।

ii. (b) तुम यहाँ बैठ जाओ और उसकी प्रतीक्षा करो।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि संयुक्त वाक्य योजक शब्द के द्वारा जुड़े होने पर भी अपना स्वतंत्र अस्तित्व रखते हैं और उनसे पूरे अर्थ का बोध होता है। इस विकल्प में भी दोनों वाक्य स्वतंत्र है किन्तु संयुक्त वाक्य बनाने के लिए समुच्चयबोधक अव्यय 'और' का प्रयोग किया गया है।

iii. (a) राम और श्याम चले गए।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इसमें 'और' समुच्चयबोधक अव्यय का प्रयोग है पर यह अव्यय दो शब्दों को जोड़ रहा है न कि वाक्यों को। एक ही क्रिया होने के कारण यह सरल वाक्य है।

iv. (d) वह मतलबी हो गया है इसलिए सबको धोखा देता है।

Explanation: यह विकल्प सही है। समुच्चय बोधक- इसलिए का प्रयोग।

v. (d) जब तुम मेरी बात मानोगी, तब तुम्हें खुशी मिलेगी।

Explanation: यह विकल्प सही है। प्रधान एवं आश्रित उपवाक्य।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) कर्मधारय समास

Explanation: कर्मधारय समास

उदाहरण- लालमिर्च = लाल है जो मिर्च

लाल- विशेषण

मिर्च- विशेष्य

ii. (d) पाँच आबों (नदियों) का समूह - द्विगु समास

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि प्रस्तुत शब्द में पहला पद 'पाँच' संख्यावाची है और वह पाँच नदियों का समाहार कर रहा है।

विग्रह = पंजाब - पाँच आबों का समूह

iii. (d) दो-या-दो से अधिक पदों के मेल से नए पद बनाने की प्रक्रिया

Explanation: दो-या-दो से अधिक पदों के मेल से नए पद बनाने की प्रक्रिया को समास कहते हैं।

iv. (d) छह

Explanation: इसमें 'कर्ता'-ने और 'संबोधन'-हे. अरे; इन दो कारकों को छोड़कर शेष सभी कारक चिह्नों का प्रयोग किया जाता है।

v. (a) चार राहों का समूह - द्विगु समास

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि पहला पद संख्यावाची है और समस्त पद 'चौराहा' किसी समूह विशेष का बोध करवा रहा है।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) हाथ-पाँव फूल जाना

Explanation: हाथ-पाँव फूल जाना - कारखाने में लगी आग देखकर सभी के हाथ-पाँव फूल गए।

ii. (a) धोखा देना

Explanation: धोखा देना - छात्रों ने अध्यापक की आँखों में धूल झोंक कर नकल की पर पकड़े गए।

iii. (a) रंग दिखाना

Explanation: रंग दिखाना - मुसीबत के समय अपने भी रंग दिखा देते हैं।

iv. (c) तू-तू, मैं-मैं होना

Explanation: तू-तू, मैं-मैं होना - आज मेरा जरा-सी बात पर माँ से झगड़ा हो गया।

v. (c) आसमान से जमीन पर आना

Explanation: आसमान से जमीन पर आना - भारत की जबरदस्त तैयारी देखकर चीन आसमान से जमीन पर आ गया।

7. I. (ii) दुनिया उसे मरने के भी याद करे

II. (i) जीवन का बेकार होना

III. (iv) केवल अपने विषय में सोचना

IV. (iii) जो दूसरे के लिए जीता हो

8. I. (i) प्रतीक्षारत निर्निमेष याचक

II. (iii) क्योंकि उनका संबंध नही हो सकता था

III. (iv) एक गाँव का न होना

IV. (i) बेचैन

V. (i) एक साहसी युवक

9. I. (i) वकील का

II. (i) वजीर अली की बहादुरी

III. (iii) तीन लाख रुपये सालाना

IV. (iv) बनारस

V. (iv) वजीर अली

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. प्रस्तुत पाठ में छोटे भाई के चरित्र द्वारा बताया गया है कि हमें अपने बड़ों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। छोटा भाई उम्र में अपने से पाँच साल बड़े भाई का आदर करता है। वह पढ़ाई में कमज़ोर अपने बड़े भाई का कभी मज़ाक नहीं उड़ाता। वह उनकी डाँट-फटकार पर भी उन्हें कभी जवाब नहीं देता, क्योंकि वह मानता है कि उसके बड़े भाई उसके सच्चे हितैषी हैं। वह बड़े भाई से छिपकर खेलने जाता है और कमरे में दबे पाँव वापस आता है।

ii. तताँरा अपनी कमर पर एक तलवार बाँधे रहता था। वह उसे हमेशा अपने पास ही रखता था। उसने कभी भी दूसरों के सामने उस तलवार का उपयोग नहीं किया। तताँरा के साहसिक कारनामों के कारन लोगों का ऐसा विश्वास निर्माण हो गया था कि उस तलवार में कुछ अद्भुत दैवीय शक्ति है ।

iii. शेख अयाज़ एक बार शेख अयाज़ के पिता कुएँ पर नहाने गए और वापस आए तो उनकी बाजू पर काला च्योंटा चढ़ कर आ गया। जैसे ही वह भोजन करने बैठे च्योंटा बाजू पर आ गया। शेख अयाज़ के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़कर, उस च्योंटे को कुएँ पर छोड़ने के लिए उठ खड़े हुए क्योंकि उनके अनुसार उन्होंने उस च्योंटे को घर से बेघर कर दिया था अत: बिना समय गवाँए वे उस च्योंटे को उसके घर अर्थात् कुएँ पर छोड़ आते हैं। इससे पता चलता है कि वे शीघ्र ही अपनी भूल का प्रायश्चित कर लेना चाहते हैं।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए: प्रस्तुत कविता में कवि ने दधीचि, कर्ण आदि जैसे महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर संपूर्ण संसार के मनुष्य को मनुष्यता, त्याग और बलिदान का संदेश दिया है। पौराणिक कथाओं के अनुसार दधीचि ऋषि ने अपनी अस्थियों तक का दान कर वृत्रासुर से देवताओं की रक्षा करने में सफल हुए थे। इसी प्रकार कर्ण ने अपने जीवन-रक्षक कवच-कुंडल को अपने शरीर से अलग करके दान में दे दिया था। रंतिदेव नामक दानी राजा ने भूख से व्याकुल ब्राह्मण को अपने हिस्से का भोजन दे दिया था। राजा शिवि ने कबूतर के प्राणों की रक्षा हेतु अपने शरीर का मांस काटकर दे दिया। ये कथाएँ हमें परोपकार का संदेश देती हैं। ऐसे महान लोगों के त्याग के कारण ही मनुष्य जाति का कल्याण संभव हो सकता है। कवि के अनुसार मनुष्य को इस नश्वर शरीर के लिए मोह का त्याग कर देना चाहिए। उसे केवल परोपकार करना चाहिए। वास्तव में सच्चा मनुष्य वही होता है जो दूसरे मनुष्य के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दे। अपने लिए तो सभी जीते हैं पर जो समाज एवं समाज में रहने वाले जरुरतमंदों के लिए जीता और मरता है उसका जीवन धन्य हो जाता है। दूसरे का भला करने में चाहे अपना नुकसान ही क्यों न हो, लेकिन हमेशा दूसरे का भला करना चाहिए क्योंकि दूसरों के भले में हमारा भी भला होता है। परोपकार की भावना हमेशा हमें ऊँचा उठाती है और समाज में एक उच्च स्थान प्रदान करती है। प्रत्येक व्यक्ति के मन में परोपकार की भावना अवश्य होनी चाहिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. लेखक को हेडमास्टर शर्मा जी के सहारे अपनी पढ़ाई जारी रखनी पड़ी क्योंकि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। हेडमास्टर साहब हर वर्ष किसी बच्चे से किताबें लेकर लेखक को दे दिया करते थे। अगर उनका सहारा ना मिला होता तो लेखक अपनी पढ़ाई नहीं कर पाते।

गरीब बच्चों को पढ़ने में विद्यालय विभिन्न तरीकों से उनकी मदद कर सकते हैं। वैसे वर्तमान में सरकारी स्कूलों में 6 से 14

वर्ष तक के बच्चों के लिए मुफ़्त शिक्षा और किताबें आदि देने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों को अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक करना चाहिए और उन्हे पढ़ाई के महत्व और फायदे समझाकर पढ़ने के लिए तैयार करना चाहिए। गरीब बच्चों को पढ़ने के लिए अन्य सुविधाएँ जैसे छात्रवृति आदि भी मिलनी चाहिए। यदि सभी विद्यालय ऐसे सार्थक प्रयास करें तो गरीब बच्चे अवश्य पढ़ सकेंगे।

ii. जब हरिहर काका को महंत जी और उनके भाइयों की असलियत खुल जाने के बाद पुलिस का संरक्षण मिल गया, तो भी गाँव वालों के बीच तरह तरह की अफवाहे फैल रही थीं। गाँव वाले इस बात से आशंकित थे कि हरिहर काका के कारण आने वाले समय में न जाने और कौन-सी मुसीबत इस गाँव में आएगी? गाँव वालों की इस सोच से उनकी इस मनोवृत्ति का पता चलता है कि उन्हें हरिहर काका से कोई लगाव नहीं था, बल्कि वे स्वयं को सुरक्षित रखने के विषय में चिंतित थे। इससे यह भी पता चलता है कि आज के युग में कोई किसी के लिए नहीं सोचता, हर व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए परेशान रहता है। आज समाज में इस प्रकार की मनोवृत्ति ने घर कर लिया है, जिससे अपनापन, लगाव, एक-दूसरे के दुःख-सुख की चिंता आदि समाप्त होती जा रही है। आज समाज ने स्वार्थ का स्थान बना लिया है ।हमें इस बात से फर्क नहीं पड़ता की कोई पीड़ा में है और उसकी सहायता करनी चाहिए हमें इस बात में आनंद आता है की उसकी निजी ज़िन्दगी में इतना तनाव है जो हमारे लिए एक मनोरंजक कहानी है। हम न तो उनके जीवन से सीख लेते हैं न ही उनके परिवार वालों को उनकी गलती बताते हैं। हरिहर काका के साथ भी ऐसा ही हुआ उनका साथ किसी भी गाँवाले ने नहीं दिया न उल्टा उनकी इस हालत के लिए उन्हें ही दोषी माना उन्हें ठाकुरबाड़ी के नाम ज़मीन के देने के लिए उकसाया और दूसरी तरफ ज़मीन भाइयों को दे देने के लिए भड़काया ।

iii. 'टोपी शुक्ला' पाठ के माध्यम से लेखक ने मानवीय संबंधों के संदर्भ में यह स्पष्ट करने की कोशिश की है कि मानवीय संबंध भाषा, जाति, धर्म एवं उम्र से परे होते हैं। उन्हें केवल हृदय की सच्ची भावनाओं और प्यार के बंधनों से ही बाँधा जा सकता है। मुस्लिम परिवार के इफ़्फ़न एवं उसकी दादी तथा हिंदू परिवार के टोपी के बीच जो रिश्ता है, वह धर्म की दीवारों को तोड़कर मानवीयता के धरातल पर निर्मित रिश्ता है, जहाँ किसी भी प्रकार के बंधन को आड़े आने की इजाज़त नहीं है। घर पर खूब मार खाने के बावजूद टोपी इफ़्फ़न के घर जाना नहीं छोड़ता तथा इफ़्फ़न के साथ मित्रता एवं इफ़्फ़न की दादी के प्रति सम्मान एवं स्नेह की उसकी भावना में कोई परिवर्तन नहीं होता। वह इफ़्फ़न की दादी से मिले बिना नहीं रह सकता, क्योंकि उसे महसूस होता है कि इफ़्फ़न की दादी से अधिक प्यार उसे कोई अन्य नहीं करता है।
इफ़्फ़न की दादी भी टोपी के बिना अकेलापन महसूस करतीं और हमेशा उसके आने की प्रतीक्षा करती रहतीं। दोनों के बीच माँ-बेटे के संबंध से भी बढ़कर एक ऐसा मानवीय संबंध कायम हो गया था, जिसके अभाव में दोनों अतृप्त महसूस करते। मानवीय संबंधों की इसी सच्चाई को 'टोपी शुक्ला' पाठ में उजागर करने की कोशिश की गई है। इस संबंध में न कोई स्वार्थ है और न कोई व्यापार, बल्कि सिर्फ अपनापन है, आत्मीयता है।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. वैश्विक तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे न केवल मनुष्य, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाला प्रत्येक प्राणी त्रस्त है। 'ग्लोबल वार्मिंग' शब्द का अर्थ है'संपूर्ण पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होना।' हमारी पृथ्वी पर वायुमंडल की एक परत है, जो विभिन्न गैसों से मिलकर बनी है, जिसे ओज़ोन परत कहते हैं। ये ओज़ोन परत सूर्य से आने वाली पराबैंगनी तथा अन्य हानिकारक किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है। मानवीय क्रियाओं द्वारा ओज़ोन परत में छिद्र हो जाने के कारण सूर्य की हानिकारक किरणें पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश कर रही हैं।

परिणामस्वरूप पृथ्वी के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कई समुद्री तथा पृथ्वी पर रहने वाले जीव-जंतुओं की प्रजातियों के अस्तित्व पर खतरा छाया हुआ है, साथ ही मनुष्यों को भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के उपाय नहीं किए, तो हमारी पृथ्वी जीवन के योग्य नहीं रह जाएगी। इसे रोकने के लिए हमें प्रदूषण को कम करना होगा। साथ ही कार्बन डाइऑक्साइड सहित अन्य गैसों के उत्सर्जन में कमी तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा देना होगा, जिससे प्रकृति में पर्यावरण संबंधी संतुलन बना रहे।

ii. समय संसार की सबसे अमूल्य वस्तु है I जो समय एक बार चला जाता है वापस नहीं आता I आजकल की व्यस्त दुनिया में किसी के पास दूसरों के लिए समय नहीं है I कुछ व्यक्ति समय को ऐसे ही व्यर्थ करते हैं जिसकी वजह से आगे जाकर उनको पछताना पड़ता हैI मनुष्य के जीवन में समय का बहुत बड़ा महत्व है I समय गतिमान है इसकी तुलना किसी से भी नहीं की जा सकती I समय के साथ हर एक व्यक्ति को तथा हर एक जीव को बदलना पड़ता है I जो समय के साथ नहीं बदलता है वह बहुत ही पीछे रह जाता है I जो समय का सदुपयोग नहीं करते हैं वह बहुत ही मुर्ख और बेवकूफ इंसान होते हैं I समय के ऊपर एक मुहावरा भी है; "अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत" इसका अर्थ है कि जब समय था उस समय तो तुमने उसका उपयोग नहीं किया अब समय निकल गया है तो अब पछताने से कोई फायदा नहीं है I कबीरदास जी कहते है कि- काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में प्रलय होएगी,बहुरि करेगा कब ॥ इसलिए समय रहते ही काम कर लेना चाहिए I

iii. **साँच को आँच नहीं**

जो व्यक्ति सत्य बोलता है, उस पर कोई आँच नहीं आती अर्थात् उसे कोई भी नुकसान नहीं पहुँचा सकता। सत्य बोलने वाले व्यक्ति की समाज में जीते-जी बहुत प्रतिष्ठा होती है तथा मृत्यु के पश्चात् उसके यश में और वृद्धि हो जाती है। महात्मा गांधी ने जीवनभर 'सत्य ही ईश्वर है' के सिद्धांत को अपनाया। संसार के कई व्यक्तियों का यह मानना है कि संसार की हर सफलता को सत्य के बल पर प्राप्त किया जा सकता है। सत्य बोलने वाले को कदम-कदम पर संघर्ष करना पड़ता है, किंतु अंत में विजय उसे ही प्राप्त होती है। यह एक कटु सत्य है कि असत्य बोलने वालों को क्षणिक सफलता तो मिल जाती है, किंतु उनका अंत बहुत बुरा होता है तथा अंततः पराजय का सामना उन्हें करना ही पड़ता है। इस विषय में सत्यवादी हरिश्चंद्र का जीवन साक्षात् प्रमाण है, जिन्होंने सत्य की रक्षा के लिए अनेक कष्ट सहे, किंतु सत्य को एक पल के लिए भी नहीं छोड़ा। अतः प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए, क्योंकि सत्य को अपनाकर ही हम अपने जीवन में शांति और संतोष प्राप्त कर सकते हैं। सत्य बोलकर हम इस समाज का कल्याण करने में अपनी सहायक भूमिका निभा सकते हैं।

14. परीक्षा भवन,
मेरठ।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,

मेरठ।

विषय शहर में बढ़ते प्रदूषण के सदंर्भ में।

मान्यवर,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से जनता, अधिकारियों तथा सरकार का ध्यान शहरों में कल-कारखानों के कारण होने वाले प्रदूषण की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। आशा है कि आप मेरे पत्र को अपने प्रतिष्ठित समाचार-पत्र में प्रकाशित करेंगे।

आज के आधुनिक युग में उद्योग-धंधों का तेज़ी से प्रसार हो रहा है। इनकी चिमनियों से निकलने वाले धुएँ से वायुमंडल में प्रदूषण की मात्रा बहुत बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त औद्योगिक केंद्रों में मशीनों से निकलने वाले कचरे से भी वायुमंडल में प्रदूषण बढ़ रहा है। प्रदूषण चाहे कैसा भी हो, स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। वायुमंडल में शुद्ध वायु की कमी विभिन्न रोगों को जन्म देती है। अपने शहरों के चारों ओर स्थित अनेक उद्योग-धंधों की चिमनियों से निकलने वाला धुआँ तथा कोयले की राख आस-पास के निवासियों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल रही है।

मेरा मुख्यमंत्री, ज़िलाधीशों तथा प्रदूषण विभाग के अधिकारियों से विनम्र अनुरोध है कि वे इस ओर ध्यान दें तथा इस संबंध में आवश्यक एवं कठोर कदम उठाएँ, जिससे समस्या का उचित समाधान हो सके।

सधन्यवाद।

भवदीय,

जतिन

OR

परीक्षा भवन

नई दिल्ली-110077

25, अप्रैल, 2019

प्रबंध निदेशक

स्पोर्ट्स इंटरनेशनल

नई दिल्ली-110077

विषय-माल की गुणवत्ता व मूल्य के सन्दर्भ में

महोदय

मुझे बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि पिछले सप्ताह आपने दिनांक 17 मार्च, 2019 को जो माल भेजा था, वह घटिया स्तर का व महँगा है। आपने जिस कंपनी का माल भेजा है उसकी न तो बाहरी दिखावट प्रभावी है न ही वह भीतर से मजबूत है। हम इस माल से संतुष्ट नहीं है। ग्राहकों द्वारा मिलने वाली लगातार शिकायतों के कारण हम यह माल आपको वापस भेज रहे हैं। आपने जिस मूल्य पर हमें माल भेजा है। उस मूल्य से भी कम पर यह माल हमें दूसरे डीलर से मिल रहा है। ऐसी स्थिति में यदि आप चाहते हैं कि हम आपसे माल मँगवाते रहे तो आप माल व मूल्य दोनों ठीक करके भेजें।

धन्यवाद

भवदीय

मोहित शर्मा

15.

गोविन्द पब्लिक स्कूल, शिमला

सूचना

आप सभी छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में कोई भी मोबाइल फ़ोन लेकर नहीं आएगा। विद्यालय में विद्यार्थियों का मोबाइल फोन लाना उचित नहीं है। यदि किसी भी विद्यार्थी के पास विद्यालय में फोन पकड़ा गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और उसे विद्यालय से निकाल दिया जाएगा और जुर्माना भी लगाया जाएगा।

प्रधानाचार्य जी (प्रदीप सिंह प्रजापति)

श्याम पब्लिक स्कूल शिमला

दिनांक- 01-04-2019

OR

मैजेस्टिक क्लब, कोलकाता

सूचना

मेगा चैरिटी शो

30 मार्च, 2019

02 अप्रैल को एक मेगा चैरिटी शो क्लब में प्रातः 10 बजे रखने का निर्णय लिया है। यह गली में रहने वाले लोगों के लिए है। जो इस शो में हिस्सा लेना चाहते हैं, वे अपने सुझावों के साथ अपना नाम 5 दिनों के अंदर सचिव को दे सकते हैं।

(सचिव)

16.

"चमचमाते नगीनों से चमकते

सोने व डायमण्ड ज्वैलरी से दमकते

हर रेंज़ में कराते हैं उपलब्ध

द वेडिंग ज्वैलरी कलेक्शन।"

"""'चंचल ज्वैलर्स"""'

हमारे यहाँ बहुत ही कम कीमत में गहने तैयार किये जाते हैं |

शाखाएँ: दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद

OR

सिर्फ 125 रूपये

"बालों का रखे ख़याल
दे मज़बूती बेमिसाल
कीमत है कम
लेकिन इसमें है दम।"

बालों को रखे चमकदार और टूटने से बचाए

केश शैंपू

दो के साथ

एक कंडीशनर फ्री

17. **मैं हूँ गोरैया**

मैं गोरैया, आज आपको अपनी कहानी सुनाती हूँ। वही गोरैया, जो कभी सवेरे सबके घरों के आँगन में आती थी सबको नींद से जगा देती थी। सामने के घर में एक छोटा-सा बच्चा मेरा घनिष्ठ मित्र बन गया था। घर जाकर दाना खाना और पानी पीकर कलरव करने उसके साथ खेलने में बड़ा आनंद आता था। एक दिन वह बीमार पड़ गया। उसे न देखकर मेरा मन नही लगा और मैं उदास हो गई। अब मैंने भी चहचहाना बंद कर दिया। एक सवेरे पीछे से आवाज आई- अरे छोटी चिड़िया ! मैंने अपनी गर्दन घुमाई तो देखा कि वही छोटा बच्चा मुस्कुराता हुआ मुझे बुला रहा था। मैं झट से उड़कर उसके कंधे पर जा बैठी।

OR

सोशल साइट्स की कहानी

मैं आज आपको सोशल साइट्स की कहानी उनकी ही जुबानी सुनाने जा रहा हूँ।

मुझसे (सोशल साइट्स) तो आप भली भाँति परिचित होंगे। शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो मेरा उपयोग आज के दौर में नहीं करता हो। मैं आप सभी के मोबाइल फोन में विभिन्न रूपों में पाया जाता हूँ। जैसे कि मेरे कुछ रूप हैं फेसबुक, व्हाट्सप्प, ट्विटर, इन्स्टाग्राम आदि। जब से मैंने आपके जीवन में प्रवेश किया, आपकी अनेक मुश्किलों का समाधान कर दिया। आप मेरे जरिए अपने मित्रों, सगे-संबंधियों से आसानी से जुड़ सकते हैं। साथ ही आप देश-दुनिया की गतिविधियों की भी जानकारी पाते हैं। लेकिन इसके साथ कुछ लोगों ने विभिन्न रूपों में मेरा गलत इस्तेमाल किया है और इसके कारण मुझे गलत कार्यों के लिए जिम्मेदार बना दिया गया है। मैं सभी के फायदे और अच्छे के लिए ही बनाया गया था। अब ये आपके ऊपर निर्भर करता है कि आप मेरा उपयोग किसके लिए करते हैं।